



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)  
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 160] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 29, 1993/वैशाख 9, 1915

No. 160] NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 29, 1993/VAISAKHA 9, 1915

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

पर्यावरण और वन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1993

सा.का.नि. 391 (अ):— केन्द्रीय सरकार, लोक दायित्व बीमा अधिनियम, 1991  
(1991 का 6) की धारा 23 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, लोक दायित्व

बीमा नियम, 1991 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लोक दायित्व बीमा (संशोधन) नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. लोक दायित्व बीमा नियम, 1991 में,—

(क) नियम 2 के खंड (घ) में “अनुरक्षित निधि” शब्दों के स्थान पर “अनुरक्षित लोक दायित्व बीमा निधि” शब्द रखे जायेंगे।

(ख) नियम 6 के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(1) अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन छूट चाहने वाला कोई स्वामी, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से, भारतीय स्टेट बैंक या उसके समनु-बन्धियों में से किसी में या किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में 5 करोड़ रुपए रकम की या परिसंकटमय पदार्थों को हटालने वाले उपक्रम के समादत्त पूंजी के बराबर रकम की इसमें से जो भी कम हो, एक निधि सृजित करेगा और बनाए रखेगा, जो अधिनियम के अधीन उस स्वामी को दायित्व मुक्त करने के लिए आसानी से उपलब्ध होगी।”

(ग) नियम 10 में, उपनियम (3) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(4) उपनियम (3) में किसी बात के होते हुए भी, जहां किसी स्वामी को अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन छूट दी गई है, वहां वह किसी दुर्घटना से उत्पन्न सभी दावों को उन्मोचित करने, के दायित्व के अधीन होगा।”

(घ) नियम II के उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“जब तक कि स्वामी को अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन छूट न दी गई हो, वह पर्यावरण राहत में बीमा कर्ता को सदेव प्रीमियम के बराबर राशि का अभिदाय करेगा।”

[फा.सं. 18/13/91 (पी.एल.) एच.एस.एम.डी.]

जे.सी. काला, संयुक्त सचिव

टिप्पण : मूल नियम का.आ. 330 (अ) द्वारा प्रकाशित किए गए और बाद में उनका सा.का.नि. सं. 596 (अ) और सा.का.नि. सं. 87 (अ) द्वारा संशोधन किया गया।

## MINISTRY OF ENVIRONMENT & FORESTS

### NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd April, 1993

G.S.R. 391(E).—In exercise of the powers conferred by section 23 of the Public Liability Insurance Act, 1991, (6 of 1991) the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Public Liability Insurance Rules, 1991, namely :

1. (1) The Rules may be called the Public Liability Insurance (Amendment) Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Public Liability Insurance Rules, 1991,—

(a) in rule 2, in clause (d), for the words “Fund” means a fund established”, the words “Fund means the Public Liability Insurance Fund established” shall be substituted.

(b) in rule 6, for sub-rule (1) the following sub-rule shall be substituted namely :—

“(1) An owner seeking exemption under sub-section (3) of section 4 of the Act, shall with the prior approval of the Central Government create and maintain a Fund for an amount of Rs. 5 crores or for an amount equal to the paid up capital of the undertaking

handling hazardous substances, whichever is less, in the State Bank of India or any of its subsidiaries or any nationalised Bank, and which will be available readily for meeting the liability of that owner under the Act”.

(c) in rule 10, after sub-rule (3), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(4) Notwithstanding anything contained in sub-rule (3), where an owner is exempted under sub-section (3) of section 4 of the Act, he shall be liable to discharge all the claims arising out of an accident.”

(d) in rule 11, in sub-rule (1) for the words “An owner shall contribute”, the words “An owner unless exempted under sub-section (3) of section 4 of the Act shall contribute” shall be substituted.

[F. No. 18(13)/91(PL).HSMD]

J. C. KALA, Jt. Secy.

NOTE.—Original rules were published by S.O. 330(E) and amended subsequently by GSR No. 596(E) and GSR No. 87(E).